



# "हुनर हाट" देश भर के हुनर के उस्तादों को हौसला, मार्किट-मौका मुहैया कराने का बड़ा अभियान साबित हुआ: श्री मुख्तार अब्बास नकवी "हुनर हाट" में 26 लाख से भी ज्यादा लोग आए

## दूसरे "हुनर हाट" का दिल्ली में आज समापन हुआ

Posted On: 26 FEB 2017 2:57PM by PIB Delhi

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं संसदीय कार्य राज्यमंत्री श्रीमुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा आयोजित "हुनर हाट" देश भरके हुनर के उस्तादों को हौसला, मार्किट-मौका मुहैया कराने का बड़ा अभियान साबित हुआ है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री नकवी ने कहा कि दिल्ली में कर्नाट प्लेस के बाबाखडक सिंह मार्ग पर 11 से 26 फरवरी तक लगाए गए दूसरे "हुनर हाट"से जहां देश केकलाकारों, शिल्पकारों तथा दस्तकारों को मौका-मार्केट मिला वहीं इसने सामाजिक सद्भाव का भीबड़ा संदेश दिया। इस "हुनर हाट" में 26 लाख से भी ज्यादा लोग आए जिनमें देश ही नहींबल्कि विदेश के लोग भी शामिल थे। लोगों ने दस्तकारों-शिल्पकारों के सामान की लाखों रुपएकी खरीद ही नहीं की बल्कि इन्हें बड़ी संख्या में देश-विदेश से ऑर्डर मिले हैं।

"हुनर के उस्तादों" की पारंपरिक विरासत को हौसला देने के मजबूत मिशन के तहतआयोजित दूसरा "हुनर हाट" उम्मीद से ज्यादा लोकप्रिय हुआ। "शिल्प और कुजिन का संगम" थीम पर आधारित इस "हुनर हाट" की खासियत देश के विभिन्न हिस्सों से लाए गए शिल्पऔर पारंपरिक व्यंजन रहे। इस "हुनर हाट" में कला और शिल्प के साथ-साथ देश के विभिन्नव्यंजनों का "बावचीखाना" भी था, इस "हुनर हाट" में हस्तशिल्प और व्यंजनों के अलावाविभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, कव्वाली, गजल, भजन, कठपुतली का नाच एवं बाइस्कोप भीलोगों के लिए आकर्षण का विषय रहे। "हुनर हाट"में जहां शिल्पकारों/दस्तकारों ने अपने हुनरका जलवा बिखेरा, वहीं देश के कोने-कोने के पकवानों का "बावचीखाना"भी लोगों के आकर्षणका केन्द्र बना।

श्री नकवी ने कहा कि भारतीय संस्कृति-संस्कार सद्भाव की इस शानदार मिसाल की यहाँहर आने वाले व्यक्ति ने सराहना की। यहाँ पर आये कारीगरों, शिल्पकारों ने ना केवल निजीरूप से साफ-सफाई का ध्यान रखा बल्कि अपने आस-पास की सफाई स्वयं कर "स्वच्छ भारतअभियान" को भी मजबूत किया।

"हुनर हाट" के फेसबुक पेज <https://www.facebook.com/hunarhaat17/> का शुभारम्भभी 16 फरवरी को किया गया। इस फेसबुक पेज पर अभी तक लगाए गए दोनों "हुनर हाट" कीजानकारी उपलब्ध है। इसके अलावा लगाए गए स्टाल, सम्बंधित राज्य, स्टाल में "हुनर हाट" केफोटो, विडियो भी उपलब्ध है।

"हुनर हाट" की गतिविधियाँ इस फेसबुक पेज पर लाइव भी देखी गईं। इस हाट में देशके लगभग सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 100 से ज्यादा कारीगरों/शिल्पकारों और 30 से ज्यादा खानसामों ने अपने हुनर को लोगों के सामने पेश किया। इन कारीगरों/शिल्पकारों औरखानसामों में राज्य और राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार विजेता भी शामिल थे। दूसरे "हुनर हाट" में हस्तशिल्प और हथकरघा के बेजोड़ नमूनों जैसे मकराना संगमरमर के उत्पाद, सीकर सेबंधेज, राजस्थान से मोजरी, तैलंगाना से बंजारा कढ़ाई, हाथ से बने ताले और डोर हैंडर इसके अलावा मध्य प्रदेश से माहेबरी साड़ी, कश्मीरी पश्मीना, कर्नाटक से बिदरी कासामान, उत्तराखंड का हथकरघा सामान, हिमाचल प्रदेश से ऊन निर्मित सामग्री, केरल से कांचनिर्मित सामान और मिजोरम के पारंपरिक शिल्प को प्रदर्शित और बेचने के लिए लाया गया। 13 र

तरह के लजीज व्यंजनों का भी लोगों ने जम करलुत्फ उठाया। इन व्यंजनों में लखनऊ का अवधी मुगलई, रॉयल मुगलई, राजस्थान से दाल बाटीचुरमा एवं थाली, पश्चिम बंगाल के व्यंजन, केरल से मालाबारी फूड, बिहार का लिट्टी चोखा, महाराष्ट्र से पुरन पोली, गुजरात से डोकला और जलेबी, वडापाव, दिल्ली की आलू चाट, जम्मूऔर कश्मीर

साथ दक्षिणी भारतके विभिन्न पारंपरिक व्यंजन शामिल थे। अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा पहले "हुनर हाट" का आयोजन पिछले साल 14 से 27 नवम्बर में प्रगति मैदान में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के दौरान किया गयाथा। अगला "हुनर हाट" जल्द ही मुम्बई में आयोजित किया जायेगा। इसके अलावाकोलकाता, हैदराबाद, बंगलुरु, लखनऊ, इलाहाबाद, रांची, गुवाहाटी, जयपुर, भोपाल आदि स्थानोंपर भी "हुनर हाट" आयोजित करने की योजना है जिससे कि देश के हर कोने के दस्तकारों, शिल्प

BCK/AK

(Release ID: 1483343) Visitor Counter : 9

